क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

E-mail: krantisamay@gmail.com
संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 193, सोमवार, 06 अगस्त, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अब आसमान में होगा पीएम मोदी और राहुल के बीच 'महासंग्राम'

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की सियासी प्रतिर्द्वंद्विता स्वतंत्रता दिवस पर आसमान में नजर आएगी जब दोनों नेताओं के चित्रों वाली पतंगें एक दूसरे से जमकर पेंच लड़ाने के लिए कभी तो ऊंची उड़ान भरेंगीं और कभी अचानक गोता लगाएंगी। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले यह आखिरी स्वतंत्रता दिवस होगा। लिहाजा देश के गर्म सियासी तापमान का खुमार पतंगों पर भी पड़ा है। मोदी और राहुल के चित्र वाली पतंगें बाजार में छाई हुई हैं। देश में, खासकर उत्तर भारत में 15 अगस्त को पतंगबाजी की रवायत रही है। इस दिन लोग अपने घरों की छतों और पार्कों से दिन भर पतंगबाजी करते हैं। राजनेताओं के अलावा बाजार में सरकार की योजनाओं की, बॉलीवुड अभिनेता एवं अभिनेत्रियों, फिल्मों, कार्टूनों, तिरंगा आदि की तस्वीर वाली पतंगें भी हैं। पुरानी दिल्ली के लाल कुआं में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर हर साल पतंग बाजार लगता है, जहां देश के अलग-अलग हिस्सों से पतंग विक्रेता आते हैं। यहां पतंग का कारोबार करने वाले मोहम्मद शब्बीर ने बताया कि कई साल बाद, इस दफा नेताओं की तस्वीर वाली पतंगें बाजार में आई हैं। इससे पहले 2014 में मोदी-ओबामा और वसुंधरा की तस्वीर वाली पतंगें आई थीं। बीते कुछ सालों से सिर्फ फिल्मों और सिने जगत के कलाकारों के चित्रों वाली पतंगें ही बाजार में आ रही थीं। उन्होंने बताया कि बाजार में उम्मीद से विपरीत दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तस्वीर वाली पतंग नहीं है। शब्बीर ने बताया कि इस बार प्रधानमंत्री मोदी और राहुल गांधी के चित्रों वाली दो तरह की पतंगे ही अब तक बाजार में आई हैं। पहली पतंग में 'मोदी और राहुल' की तस्वीर है जिस पर अंग्रेजी में 'वी' और हिन्दी में 'किसमें कितना है दम' लिखा है। वहीं दूसरी पतंग पर भी मोदी और राहुल की फोटो है और उस पर बीच में हिन्दी में 'महासंग्राम' लिखा है। उन्होंने बताया कि एक पतंग पर सिर्फ मोदी की तस्वीर के साथ लाल किले और तिरंगे की तस्वीर है और इस पर हिन्दी में 'नई सोच, नई उम्मीद' लिखा है। पतंग कारोबारी हिमांशु गुप्ता ने बताया कि जिस तरह का माहौल देश में होता है उसी तरह की पतंगें बाजार में आती हैं। अगले साल लोकसभा चुनाव होने हैं, इसलिए इस बार मोदी और राहुल गांधी की तस्वीर वाली नई पतंगें आई हैं। इसके अलावा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा लिखी पतंगें भी है। उन्होंने बताया कि मोदी और राहुल गांधी की तस्वीर वाली बड़ी पतंग की कीमत 12 रुपए है जबकि छोटी पतंग पांच रुपए की है। अन्य पतंग व्यापारी मोहम्मद आमिर ने बताया कि बाजार में, सलमान खान, आमिर खान, शाहरूख खान, दीपिका पाडुकोण, कैटरीना कैफ, प्रियंका चोपड़ा, करीना कपूर आदि के चित्रों वाली पतंगें भी हैं। उन्होंने बताया कि बच्चों के लिए कार्टून पतंगें हैं जैसे छोटा भीम, डोरीमोन, शिज़ुका आदि के चित्र वाली पतंगें हैं। दुकानदार ने बताया कि पतंग उड़ाने के लिए दो तरह की डोर इस्तेमाल की जाती है। एक डोर सादी, सफेद रंग की होती है जिसमें कुछ नहीं लगा होता। जबकि पतंगों को काटने के लिए या पेंच लड़ाने के लिए सादी डोर में आगे मांझा लगाया जाता है। मांझा बरेली का अच्छा होता है ।

अब देश छोड़कर नहीं भाग पाएगा कोई नीरव मोदी या विजय माल्या, विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी

नई दिल्ली।

राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने भगोड़ा आर्थिक अपराधी विधेयक को मंजूरी दे दी है। भगोड़े आर्थिक अपराधी को भारत में कानूनी प्रक्रिया से बचने से और देश से भागने से रोकने में इस विधेयक की अहम भूमिका होगी। भगोड़ा आर्थिक अपराधी वह व्यक्ति होता है जिसके खिलाफ 100 करोड़ रुपए या उससे अधिक मूल्य के चुनिंदा आर्थिक अपराधों में शामिल होने की वजह से गिरफ्तारी वॉरंट जारी किया गया हो और वह आपराधिक अभियोजन से बचने को देश से बाहर चला गया हो। एक आधिकारिक आदेश के अनुसार भगोड़ा आर्थिक अपराधी विधेयक, 2018 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई है। इस नए कानून से विजय माल्या और नीरव मोदी जैसे, बड़े आर्थिक अपराधों में शामिल लोगों को देश से भागने और कानून से बचने से रोका जा सकेगा। माल्या और मोदी की आर्थिक अपराधों में तलाश है। दोनों ही देश छोड़कर जा चुके हैं। दोनों के मामलों की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) कर रहा है। इस नए कानून के तहत प्राधिकृत विशेष अदालत को किसी व्यक्ति को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने और उसकी बेनामी तथा अन्य संपत्तियों को जब्त करने का अधिकार होगा। यह कानून कहता है, ''जब्ती आदेश की तारीख से जब्त की गई सभी संपत्तियों का अधिकार केंद्र सरकार के पास रहेगा।'' भगोड़ा आर्थिक अपराधी विधेयक, 2018 राज्यसभा में 25 जुलाई को पारित हुआ था। लोकसभा ने इस विधेयक को 19 जुलाई को मंजूरी दी थी। इस कानून के तहत न्यूनतम 100 करोड़ रुपए की सीमा को उचित ठहराते हुए वित्त मंत्री पीयूष गोयल ने हाल में संसद में कहा था कि इसके पीछे मकसद बड़े अपराधियों को पकडना है। अदालतों में मामले बढ़ाना नहीं। उन्होंने कहा था कि कानून के तहत प्रवर्तन निदेशालय जांच एजेंसी का काम करेगा।

ऑफ द रिकॉर्ड: डिप्टी चेयरमैन का कमरा भी जाएगा

नेशनल डेस्क। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के चेयरमैन एम. वेंकैया नायडू का कहना है कि डिप्टी चेयरमैन के पद का चुनाव होगा मगर ऐसा दिखाई देता है कि सरकार राज्यसभा में भाजपा के सदस्यों की संख्या कम होने के कारण यह चुनाव करवाने के पक्ष में नहीं क्योंकि उसे भाजपा उम्मीदवार की जीत यकीनी नहीं दिखाई देती। इसी बीच नायडू एक कदम आगे बढ़े। नायडू ने डिप्टी चेयरमैन के पद के लिए संसद के मानसून सत्र के दौरान आम सहमति बनाने की संभावनाओं का पता लगाया। अब ऐसी चर्चा है कि कि उपराष्ट्रपति ने समय के लिए डिप्टी चेयरमैन के विशेष कमरे का नियंत्रण ले लिया और वह इसका बेहतर इस्तेमाल कर रहे हैं। एक दर्जन कुर्सियों के साथ डाइनिंग टेबल को वहां लगा दिया गया है और अस्थायी विभाजन बनाया गया है। डिप्टी चेयरमैन की गैर-मौजूदगी में उपराष्ट्रपति को लम्बे समय तक सदन में बैठना पड़ता है इसलिए उन्होंने संसद भवन में आराम करने के बाद वहां एक बैड लगवा दिया है ताकि वे 6 मौलाना आजाद रोड पर अपने निवास स्थान जाने की बजाय वहां कुछ समय तक आराम कर सकें। डिप्टी चेयरमैन के वहां उनके चैंबर के बाहर लगी प्लेट भी हटा दी गई है। सरकार लगातार यह संकेत दे रही है कि वह चुनाव करवाने की इच्छुक है मगर चेयरमैन अब डिप्टी चेयरमैन की भूमिका भी निभा रहे हैं।

'पाक जाओ' कहने वाले किसी भी देश को नहीं जानते: पवार

पुणे। राकांपा प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को कहा कि जो लोग मुस्लिमों से ''पाकिस्तान जाओ'' कहते रहते हैं वे पाकिस्तान और भारत दोनों के बारे में अज्ञान हैं। पूर्व केन्द्रीय मंत्री वरिष्ठ पत्रकार संजय अवाते द्वारा लिखित पुस्तक 'वी द चेंज' के विमोचन के मौके पर बोल रहे थे। पवार ने कहा, ''जब अल्पसंख्यक समुदाय का कोई व्यक्ति अपनी राय जाहिर करता है और अगर वह राय कुछ लोगों को पसंद नहीं आती है तो उस व्यक्ति से पाकिस्तान जाने के लिए कहा जाता है। उससे कहा जाता है कि उसे इस देश में रहने का कोई हक नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''जो कहते रहते हैं कि 'पाकिस्तान जाओ', ऐसे लोगों को पाकिस्तान या भारत के बारे में कोई जानकारी नहीं है।'' पवार ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार को मराठा समुदाय की आरक्षण की मांग पर फैसला करने के साथ वर्तमान आरक्षण में छेड़छाड़ नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''अजा, अजजा और ओबीसी के आरक्षण को नहीं छुआ जाना चाहिए।''

ममता को विपक्ष का प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाए जाने के खिलाफ नहीं : देवगौड़ा

नई दिल्ली।

भाजपा के खिलाफ एक मजबूत मोर्चा की हिमायत करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा ने कहा है कि वह तृणमूल कांग्रेस प्रमुख एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को 2019 के लोकसभा चुनाव के लिए विपक्ष की ओर से प्रधानमंत्री पद का चेहरा बनाए जाने के खिलाफ नहीं हैं। देवगौड़ा (85) की यह टिप्पणी उन खबरों के मद्देनजर आई है, जिनमें कहा गया था कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियां प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार का मुद्दा चुनाव बाद के लिए छोडना चाहती हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि यदि चुनाव से पहले इस विषय को उठाया गया तो विपक्ष की एकता को नुकसान पहुंच सकता है। देवगौड़ा की पार्टी जद (एस) ने कर्नाटक में कांग्रेस के साथ गठबंधन सरकार बनाई है। उन्होंने कहा कि भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के लिए विपक्ष को एकजुट करने में कांग्रेस एक अहम भूमिका निभाएगी। पूर्व प्रधानमंत्री ने पिछले सप्ताहांत दिल्ली में दिए साक्षात्कार में इस बात का जिक्रकिया कि तीसरा मोर्चा का गठन अपने शुरूआती दौर में है और ममता सभी गैर भाजपा पार्टियों को एक साथ लाने के लिए अपनी ''सर्वश्रेष्ठ कोशिश'' कर रही हैं। देवगौड़ा ने 1996 में जनता दल नीत संयुक्त मोर्चा की सरकार का नेतृत्व किया था। हालांकि, उनका कार्यकाल साल भर से अधिक नहीं रहा था। उन्होंने कहा कि ममता असम में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) का मसौदा जारी किए जाने के बाद एक संघीय मोर्चा बनाने के लिए गंभीरता से काम कर रही हैं। एनआरसी मसौदा सूची में पूर्वोत्तर के इस राज्य के 40 लाख लोगों के नाम शामिल नहीं हैं। एनआरसी की सख्त आलोचना कर रहीं ममता केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी का मुकाबला करने के लिए अन्य पार्टियों का भी समर्थन मांग रही है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह विपक्ष के प्रधानमंत्री पद के चेहरा के रूप में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख का समर्थन करेंगे, देवगौड़ा ने कहा, ''यदि ममता को प्रधानमंत्री के तौर पर प्रायोजित किया जाता है, तो उनका स्वागत है। इंदिरा गांधी ने प्रधानमंत्री के रूप में 17

स्वतंत्रता दिवस पर सेना के शिविरों पर हमले की फिराक में लश्कर व जैश के 20 आतंकी

श्रीनगर।

पाकिस्तान में भले ही नई सरकार बनने जा रही हो, परंतु आतंकवाद को लेकर उसकी नीतियों में बदलाव के संकेत नहीं दिख रहे हैं। एक तरफ पूर्व क्रिकेटर इमरान खान 14 या 15 अगस्त को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पद की शपथ ले सकते है, वहीं भारतीय खुफिया एजैंसियों ने आगाह किया है कि स्वतंत्रता दिवस पर पाकिस्तानी आतंकी भारतीय सेना के शिविरों पर बड़े हमले की साजिश रच रहे हैं। एक निजी चैनल की रिपोर्ट के मुताबिक मल्टी एजैंसी को-ऑर्डिनेशन सैंटर ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 15 अगस्त को सेना के शिविरों पर बड़ा हमला हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक आतंकी संगठन लश्कर-ए-तोयबा और जैश-ए-मोहम्मद के 20 से ज्यादा आतंकी हमले के लिए तैयार हैं। पाकिस्तान की खुफिया एजैंसी को जैश-ए-मोहम्मद पर पूरा भरोसा है। इस बाबत 2 रिपोर्टें हैं कि नियंत्रण रेखा के पास कुछ आतंकी मौजूद हैं, जिन्हें तंगधार क्षेत्र में स्थित सेना के कैंप पर हमले के लिए भेजा गया है। खबर है कि कुछ आतंकी सीमा पार कर गए हैं और फिलहाल वे रेकी कर रहे हैं। यह बात सैटेलाइट फोन से पकड़ में आई है। दूसरी रिपोर्ट जैश-ए-मोहम्मद को लेकर है। जैश आतंकियों को बारामूला इलाके में हमले के लिए रवाना किया गया है।

केजरीवाल सरकार को लगा हाई कोर्ट से झटका

नई दिल्ली।

दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली में रोजगार की सभी अनुसूचित श्रेणियों में सभी वर्गों के श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में संशोधन की दिल्ली सरकार की मार्च, 2017 कीअधिसूचना को रद्द कर दिया है। यह आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार के लिए झटका है।हाई कोर्ट ने कहा कि संविधान के तहत दिल्ली सरकार को इसका अधिकार नहीं है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल और न्यायमूर्ति सी हरि शंकर ने दिल्ली सरकार की न्यूनतम वेतन पर सलाहकार समिति बनाने की सरकार की अधिसूचना को भी रद्द कर दिया है। अदालत ने कहा कि दोनों ही फैसले प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्तों तथा बिना उचित आधार लिए गए थे लिहाजा यह दोनों ही फैसले अवैध हैं। अधिसूचना के अनुसार अकुशल, अर्द्धकुशल और कुल श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन क्रमशः 13,500 रुपए, 14,698 रुपए और 16,182 रुपए तय किया गया था। हाई कोर्ट का यह फैसला विभिन्न औद्योगिक इकाइयों तथा कंपनियों की ओर से दायर याचिकाओं पर आया है, जो श्रमिकों को न्यूनतम वेतन पर काम देती हैं। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि दिल्ली सरकार ने यह फैसला लेने से पहले उन्हें अपनी बात रखने का मौका नहीं दिया।

ऑफ द रिकॉर्ड: चुनावी बांड योजना बुरी तरह विफल

नेशनल डेस्क।

सरकार की राजनीतिक पार्टियों को दिए जाने वाले फंडों में पारदर्शिता लाने के लिए महत्वपूर्ण चुनावी बांड योजना बुरी तरह विफल रही। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा अभी तक केवल 438 करोड़ रुपए के चुनावी बांड ही बेचे गए हैं। इस वर्ष जनवरी से ऐसे बांड बेचने का स्टेट बैंक ही एकमात्र अधिकृत बैंक है। वित्त मंत्रालय से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार तीन चरणों में 438.30 करोड़ रुपए मूल्य के 980 चुनावी बांड अभी तक दिए गए हैं। इनमें से 959 बांड जिनकी कीमत 437.30 करोड़ रुपए है, अभी तक जारी किए गए हैं। सरकार ने चुनावी बांड योजना इस मकसद से लागू की थी कि राजनीतिक व्यवस्था में इस्तेमाल किए जाने वाले काले धन की संस्कृति को साफ किया जाए। योजना का एक अन्य फीचर यह था कि इसमें खरीदार का नाम नहीं होगा और यह स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के पास ही रहेगा। बांड खरीदने वाला अपनी मनपसंद किसी भी राजनीतिक पार्टी को यह बांड दे सकता है और वह इसे किसी भी समय जारी करवा सकता है। इस वर्ष मार्च में पहले चरण में 222 करोड़ रुपए मूल्य के कुल 520 बांड जारी किए गए। दूसरे चरण में इनकी संख्या गिर गई। 114.90 करोड़ रुपए के 256 बांड ही बिक पाए। तीसरे चरण में इनमें और गिरावट हुई जब 101.40 करोड़ रुपए मूल्य के 204 बांड ही बिक पाए। वित्त मंत्रालय ने बताया कि राजनीतिक पार्टियों द्वारा 437.30 करोड़ रुपए के बांड पहले ही जारी करवाए जा चुके हैं। सबसे रोचक बात यह है कि 11 करोड़ रुपए के 21 बांड पंजीकृत राजनीतिक पार्टियों द्वारा जारी नहीं करवाए गए। ये बांड अब निष्फल हो गए हैं और उनका मूल्य शून्य है क्योंकि इन बांडों के जारी होने के 15 दिन के भीतर ही इन्हें जारी करवाना होता है। सरकार ने किसी व्यक्ति की तरफ से 2000 रुपए नकदी से अधिक फंड लेने पर पहले ही पाबंदी लगा रखी है। राजनीतिक पार्टियों ने इसका कड़ा विरोध किया था और कहा कि इससे राजनीतिक फंड में पेचीदगियां पैदा होंगी मगर वित्त मंत्री अरुण जेतली ने इस बात को मानने से इंकार कर दिया था और जनवरी में इस योजना की अधिसूचना जारी की थी।

सुषमा ने उज्बेकिस्तान प्रधानमंत्री के साथ की बैठक, इन मुद्दों पर हुई चर्चा

ताशकंद । विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने अपनी तीन देशों की यात्रा के अंतिम चरण में उज्बेकिस्तान के प्रधानमंत्री अब्दुल्ला अरिपोव और विदेश मंत्री अब्दुल अजीज कमिलोव के साथ बैठक कर व्यापार, रक्षा, सुरक्षा समेत द्विपक्षीय और क्षेत्रीय महत्व के मुद्दों पर चर्चा की। स्वराज ने शनिवार को उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में अरिपोव के साथ बैठक की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने ट्वीट किया, स्वराज ने उज्बेकिस्तान के प्रधानमंत्री अब्दुल्ला अरिपोव के साथ ताशकंद में बैठक की। बैठक में उज्बेगिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव की भारत यात्रा पर विचार विमर्श किया गया। मिर्जियोयेव के इसी वर्ष भारत यात्रा पर आने की संभावना है। स्वराज ने अरिपोव के साथ भारत-उज्बेकिस्तान के द्विपक्षीय संबंधों पर भी चर्चा की। स्वराज ने विदेश मंत्री अब्दुल अजीज कमिलोव के साथ बैठक कर व्यापार, रक्षा और सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर बातचीत की। इसके अलावा क्षेत्रीय एवं वैश्विक के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। कुमार ने ट्वीट किया कि स्वराज ने ताशकंद में रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित किया। इससे पहले स्वराज के उज्बेकिस्तान के ताशकंद पहुंचने पर विदेश मंत्री अब्दुल अजीज केमिलोव उनका स्वागत किया।स्वराज ने यहां पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की स्मारक पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शास्त्री की 1966 में ताशकंद यात्रा के दौरान दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में घुसे 5 आतंकी, खुफिया एजेंसियों ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली। 15 अगस्त को लेकर राजधानी में आतंकी हमले को लेकर खुफिया एजेंसियों ने अलर्ट जारी किया है। खुफिया एजेंसियों ने दिल्ली सरकार को चौकन्ना करते हुए कहा कि राजधानी में लश्कर ए तैयबा के पांच आंतकी घुस आए हैं। एंजेसियों ने आशंका जताई है कि आतंकी चकमा देने के लिए हिंदू या सिख किसी भी वेशभूषा में शामिल हो सकते हैं। आतंकियों के निशाने पर मंदिर, भीड़भाड़ वाले बाजार और इलाके हैं। दिल्ली पुलिस और उसकी स्पेशल सेल को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आतंकी गतिविधियों को लेकर सतर्क रहने को कहा गया है। वहीं दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था पहले से काफी कड़ी कर दी गई है। दिल्ली के कनॉट प्लेस समेत कई महत्वपर्ण जगहों पर कमांडो दस्ते तैनात किए गए हैं। लश्कर के अलावा जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट जैसे अलगावावादी सगठन भी दिल्ली में 15 अगस्त को माहौल खराब करने की फिराक में हैं।

नितिन गडकरी का बड़ा बयान, जब नौकरियां ही नहीं तो आरक्षण का क्या फायदा

नेशनल डेस्क। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को आरक्षण पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि गरीबी की कोई जाति नहीं होती है। उन्होंने कहा कि जाति के आधार पर नहीं बल्कि गरीबी के आधार पर आरक्षण देने की जरूरत है क्योंकि गरीब की जाति, भाषा और क्षेत्र नहीं होती है. साथ ही उन्होंने कहा कि अगर आरक्षण किसी समुदाय को मिल भी जाता है तो नौकरियां कहां हैं, बैंकों में आईटी की वजह से नौकरियां नहीं हैं। सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने महाराष्ट्र के औरंगाबाद में पत्रकारों से कहा कि निराशा और असुविधा के कारण आरक्षण की मांग हो रही है. इसलिए गांव के अंदर खेती में उपज बढ़ाना जरूरी है और प्रति व्यक्ति आय बढ़ाना जरूरी है. उन्होंने उम्मीद जताई कि मराठा आरक्षण के मुद्दे पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस हल निकाल लेंगे। सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने महाराष्ट्र के औरंगाबाद में पत्रकारों से कहा कि निराशा और असुविधा के कारण आरक्षण की मांग हो रही है। इसलिए गांव के अंदर खेती में उपज बढ़ाना जरूरी है और प्रति व्यक्ति आय बढ़ाना जरूरी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मराठा आरक्षण के मुद्दे पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस हल निकाल लेंगे आरक्षण की मांग को लेकर राजनीतिक दलों के बीच कई दौर की बैठक हो चुकी है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि सरकार कानून की प्रक्रिया का पालन करने के बाद मराठा आरक्षण के बारे में ऐलान करेगी ताकि यह कानूनी जांच पर खरा उतरे और अन्य समुदायों के लिए मौजूदा आरक्षण कोटे को प्रभावित किए बिना हो सके। विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर आरक्षण खत्म करने का आरोप लगाती रही है। वहीं बीजेपी और खुद कई बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सार्वजनिक मंच से कह चुके हैं कि आरक्षण को उनके रहते कोई हाथ नहीं लगा सकता है। विपक्षी दलों का आरोप निराधार है।

मुजफ्फरपुर कांड- राहुल ने केंद्र पर साधा निशाना, कहा- कमजोरों पर हो रहे अत्याचार

नेशनल डेस्क। राहुल गांधी ने मुजफ्फरपुर कांड पर टिप्पणी करते हुए कहा कि देश में आज अजीब सा माहौल बन गया है। उन्होंने कहा कि हम हर हिंदुस्तानी महिला के साथ खड़े हैं। हम हर हिंदुस्तानी महिलाओं के लिये यहां आए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि देश में महिलाओं पर अत्याचार और आक्रमण हो रहे हैं। देश में जो भी कमजोर है, उसपर हमले हो रहे हैं। राहुल ने कहा कि हम हर महिला और कमजोर के साथ खड़े हैं। इससे पहले बिहार के पूर्व उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने मुजफ्फर कांड पर बोलते हुए कहा कि बिहार में दुर्योधन चीरहरण कर करा है। उन्होंने कहा कि इस घटना में शामिल आरोपियों को बिहार सरकार बचा रही है। तेजस्वी ने नीतीश पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार में जंगलराज आ गया है और घटना के बाद भी चाचा नीतीश को शर्म नहीं आई। उन्होंने मुजफ्फरपुर कांड की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच कराने की मांग की। मुजफ्फरपुर कांड को लेकर महागठबंधन के नेता जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन के लिए इकट्ठा हुए। इस विरोध प्रदर्शन में बिहार के पूर्व उप-मुख्यमंत्री, कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और टीएमसी नेता डी. राजा ने शिरकत की। मुजफ्फपुर कांड पर महागठबंधन मोर्चा ने कैंडल जलाकर 1 मिनट का मौन रखा और मार्च निकाला। बता दें कि मुजफ्फरपुर बालिका गृह में 34 बच्चियों के साथ हैवानियत की गई। राज्य सरकार के अनुरोध पर इस मामले की जांच सीबीआई द्वारा की जा रही है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हाईकोर्ट से इस मामले की निगरानी करने का भी आग्रह किया था। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर संज्ञान लेते हुए राज्य और केंद्र सरकार को नोटिस भेजा था।

असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 43 पहुंची

गुवाहाटी। असम में बाढ़ की स्थिति बिगड़ती जा रही है। राज्य के शिवसागर जिले में शनिवार को दो और लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 43 पहुंच गई हैं। राज्य के छह जिलों में करीब 1.1 लाख लोग बाढ़ से अभी भी प्रभावित हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक, शिवसागर के सोनारी राजस्व क्षेत्र में बाढ़ संबंधित घटनाओं में दो व्यक्तियों की जान चली गई। इसके साथ ही बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 43 पहुंच गई है। प्राधिकरण ने बताया कि धेमाजी, लखीमपुर,दरांग, गोलाघाट, शिवसागर और चराईदेव जिलों में बाढ़ से इस समय 1.09 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं।

संपादकीय

कांग्रेस का चुनावी हथियार

इस पर हैरानी नहीं कि कांग्रेस ने राफेल विमान सौदे में कथित गड़बड़ी को चुनावी हथियार बनाने का फैसला किया। खुद राहुल गांधी पिछले कुछ समय से इस सौदे को जिस तरह महंगा सौदा करार देने में लगे हुए थे उससे यह साफ था कि कांग्रेस इस मसले में अपना राजनीतिक हित देख रही है। कांग्रेस राफेल सौदे को शायद इसलिए चुनावी मसला बना रही है, क्योंकि वह इससे अवगत है कि बोफोर्स तोप सौदे में दलाली के मसले के साथ संप्रग शासन में घपले-घोटालों के मामलों ने उसे कैसे दिन दिखाए? निःसंदेह उच्च स्तर का भ्रष्टाचार सदैव से लोगों का ध्यान आकर्षित करता रहा है, लेकिन यह कहना कठिन है कि आम जनता राफेल सौदे में कथित गड़बड़ी के कांग्रेस के आरोप को भ्रष्टाचार के मसले के तौर पर देखेगी। कांग्रेस किसी भी मसले को अपनी चुनावी रणनीति का हिस्सा बनाने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन दाल तब गलेगी जब सरकार उस मसले पर रक्षात्मक नजर आएगी या फिर विपक्ष की ओर से उठाए गए सवालों का जवाब देने से बचेगी। राफेल सौदे को लेकर सरकार यह दावा करती चली आ रही है कि इससे बेहतर सौदा और कोई नहीं हो सकता, लेकिन वह गोपनीयता संबंधी प्रावधान का हवाला देकर सारी जानकारी सार्वजनिक करने को तैयार भी नहीं। उसकी मानें तो ऐसा करने से राफेल लड़ाकू विमान की विशेषताएं दुनिया को पता लग जाएंगी। इस तर्क का अपना महत्व है, लेकिन देखना यह होगा कि आम जनता उससे सहमत होती है या नहीं? 1इसमें संदेह है कि कांग्रेसी नेताओं के कहने भर से जनता राफेल सौदे में भ्रष्टाचार होने की बात सही मान लेगी, क्योंकि मोदी सरकार ने अपनी यह छवि बनाई है कि वह भ्रष्टाचार को सहन करने के लिए तैयार नहीं। यह एक तथ्य भी है कि सरकार के उच्च स्तर पर भ्रष्टाचार का कोई मामला सामने नहीं आया है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि राफेल सौदे को लेकर पहले खुद रक्षा मंत्री ने यह कहा था कि वह सारी जानकारी सामने रखेंगी। बाद में उन्होंने कहा कि गोपनीयता संबंधी प्रावधान के चलते वह ऐसा नहीं कर सकतीं। अब जब कांग्रेस ने राफेल सौदे को तूल देने का इरादा स्पष्ट कर दिया है तो सरकार को ऐसा कुछ करना होगा जिससे वह इस मसले पर कुछ छिपाती हुई न दिखे। बेहतर होगा कि वह ऐसे जतन करे जिससे कांग्रेस के आरोपों की हवा भी निकल जाए और राफेल सौदे की गोपनीयता भी न भंग हो। कांग्रेस के लिए भी यह जरूरी है कि वह राफेल सौदे में गड़बड़ी के अपने आरोपों के पक्ष में कुछ प्रमाण सामने रखे। वैसे यदि उसके पास अपनी बात साबित करने के पक्ष में कुछ सूचना-सामग्री है तो वह अदालत का रुख क्यों नहीं करती? अगर कांग्रेस राफेल सौदे को एक बड़ा मसला बनाने को लेकर वास्तव में गंभीर है तो फिर उसे यह भी पता होना चाहिए कि इस सौदे की समीक्षा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग की ओर से की जा रही है। यदि कैग ने अपनी समीक्षा में इस सौदे को सही पाया तो कांग्रेस के चुनावी हथियार की हवा निकल सकती है।

पिछड़ा और दलित का संदेश

हरिमोहन मिश्र

भाजपा और विपक्ष पिछड़ा आयोग को लेकर भी अपनी सियासत में लगा है। यह देखना दिलचस्प होगा कि भाजपा नीत एनडीए इसे अगले चुनाव में वोटों में कैसे तब्दील कर पाता है। असल में इस मामले में उसे खासकर हिंदी पट्टी के उत्तर प्रदेश और बिहार में चुनौती मिलने की संभावना है। उत्तर प्रदेश में अगर अखिलेश यादव की सपा और मायावती की बसपा अपने वोट बैंक एक दूसरे को स्थानांतरित करने में कामयाब हो जाते हैं तो भाजपा को ऊंची जातियों के अलावा अति पिछड़ों पर ही अपनी उम्मीद टिकानी होगी

इसमें दो राय नहीं कि अपने आखिरी वर्ष में मोदी सरकार वे सभी मामले कुछ दुरु स्त कर लेना चाहती है, जिस पर उसे घेरने की तैयारी विपक्ष कर रहा है। एनडीए सरकार अर्थव्यवस्था, बेरोजगारी, बैंकों के एनपीए, कालाधन, अच्छे दिन लाने जैसे अपने वादों पर अब शायद ज्यादा कुछ नहीं कर सकती या उसके पास इन मुद्दों पर ज्यादा कुछ करने का समय नहीं बचा है। लेकिन वह किसानों के मसलों पर आधा-अधूरा ही सही, कुछ कोशिश करते दिखना चाहती है, ताकि किसान उसके लिए नया विपक्ष न बनें। इसी तरह उसके लिए सबसे कठिन मोर्चा पिछड़ों और दलितों का है। इसमें चाहें तो आदिवासियों और अल्पसंख्यकों को भी जोड़ सकते हैं। इन सब मोर्चों को वह संसद के बाकी सत्रों में कमोवेश दुरु स्त कर लेना चाहती है।शायद यह भी एक वजह थी कि उसने लोक सभा के वषकालीन सत्र में विपक्ष के अविास प्रस्ताव को झेलना बेहतर समझा, ताकि संसद को चलाया जा सके और पिछड़ा, दलित वगैरह के मुद्दों पर अपनी सक्रियता दिखाने के लिए अहम विधेयकों को पार लगाया जा सके। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग विधेयक को पारित करवाना उसी एजेंडे का एक अहम पड़ाव है। इस 123वें संविधान संशोधन विधेयक से आयोग को उसी तरह संवैधानिक हैसियत मिल जाएगी, जैसे अनुसूचित जाति और अनुसूचित आयोग को हासिल है। इससे किसी भी उस जाति को पिछड़े वर्ग में शामिल करना उसके लिए कुछ आसान हो जाएगा, जो इसके लिए दावा कर रही है और आरक्षण में हिस्सेदारी की मांग कर रही है। आयोग क्रिमी लेयर जैसे फैसले भी ले सकेगा और राज्यों पर उसके फैसले मोटे तौर बाध्यकारी भी होंगे।अगर आप हाल के दौर में पिछड़ी जातियों की राजनीति और विभिन्न तबकों से उठ रही आरक्षण की मांगों को देखें तो यह साफ हो जाएगा कि एनडीए सरकार उन जातियों में अपनी पैठ मजबूत करने की मंशा रखती है, जिन्हें मोटे तौर पर अभी तक बहुत लाभ नहीं मिला है। इसकी एक दलील यह भी है कि पिछड़ों में यादव, कुर्मी जैसी कुछ वर्चस्वशाली जातियों को ही इसका लाभ मिला है। यही दलील विपक्ष खासकर समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल और पिछड़ों की राजनीति करने वाली पार्टियों को आशंकित करता है। ऐसा नहीं है कि इन दलों की दलील में कोई दम नहीं है। अब तक सरकारी नौकरियों में आरक्षण से लाभ पाए आंकड़ों को देखें तो उनकी आशंकाएं समझ में आती हैं। अभी भी अफसरशाही और उच्च संस्थानों में एक मोटे अनुमान से अनुसूचित जाति-जनजाति या पिछड़ी जातियों के लोग बमुश्किल 3-4 प्रतिशत ही पहुंच पाए हैं। देश में खरबपतियों की फेहरिस्त दुनिया के अमीर देशों से होड़ लेने लगी है, लेकिन ऊपरी हलकों में इन जातियों की पहुंच नहीं हो पाई है। सरकारी ही नहीं, गैर-सरकारी संस्थानों में अभी भी बेहद थोड़े लोग ही पिछड़ी और निचली जातियों के पहुंच पाए हैं। उच्च शिक्षा संस्थानों में भी इनकी पहुंच गिनती की है। यह अवस्था कई दशकों के आरक्षण व्यवस्था के बाद है। इसलिए उनकी यह दलील भी बेजा नहीं है कि क्रिमी लेयर का तूफान उठाकर ऊपरी हलकों में उनकी पहुंच को रोकने का इंतजाम किया जा रहा है। अभी क्रिमी लेयर की सीमा 6 लाख रु पये आमदनी रखी गई है। इसमें दो राय नहीं कि इतनी आमदनी बहुत से उच्च जातियों और मध्यवर्गीय लोगों की भी नहीं है। लेकिन यह आमदनी आज के दौर में सदियों की वंचना से आगे ले जाने के लिए नाकाफी है। यह भी सही कि देश में लगभग 33 प्रतिशत आबादी वाली अति पिछड़ी जातियों की आमदनी इससे भी काफी कम है। पिछले साल आए सामाजिक-आर्थिक जनगणना के आंकड़ों के हिसाब से सालाना 5 लाख रु पये आमदनी वाले परिवार भी गिनती के हैं। ये परिवार भी ऐसे हैं, जिनका कोई सदस्य खेती के अलावा दूसरे श्रम या व्यवसाय से जुड़ा है। अगर देश की सामाजिक और जाति संरचना पर गौर करें तो जाहिर है, बेहद गरीब में गुजर-बसर करने वाले लोग दलित और आदिवासियों के अलावा अति पिछड़ी जातियों के ही होंगे। इसलिए जरूरी है कि महज आरक्षण के लॉलीपॉप से उनकी स्थिति नहीं सुधारी जा सकती।गौरतलब यह है कि सरकारी नौकरियां लगातार सिकुड़ती जा रही हैं। सिर्फ नौकरियां सुरक्षा बलों में ही पैदा हो रही हैं। बड़े सरकारी उपक्रमों में भी कई साल से भर्तियां नहीं हो पाई हैं या बेहद सुस्ती से नौकरियां भरी जा रही हैं। सरकारी बैंकों में भी यही हाल है। देश में सबसे बड़ी नियोक्ता रेलवे में भी वर्षों से अनेक पद खाली हैं। अभी हाल में ये आंकड़े भी जाहिर हुए थे कि रेलवे में भर्तियां न होने कर्मचारियों की संख्या लगातार कम होती गई है ,जिससे पटरियों की मरम्मत का काम प्रभावित हो रहा है। दुर्घटनाओं और ट्रेनों की लेट-लतीफी की भी एक बड़ी वजह यह बताई जाती है। इसी वजह से पिछड़ा और दलित सियासत करने वाली पार्टियां निजी क्षेत्र में आरक्षण की मांग करने लगी हैं, जिस पर चर्चा करने से सत्ताधारी वर्ग बच रहा है। यह सही है कि आरक्षण सिर्फ नौकरियां दिलाने का हक नहीं है, बल्कि उसका मकसद सत्ता के तंत्र में समानुपातिक प्रतिनिधित्व दिलाना है, ताकि वंचित जातियों को भी निर्णय-प्रक्रिया में हिस्सेदारी का मौका मिले। लेकिन सरकारी तंत्र के लगातार सिकुड़ने से निर्णय-प्रक्रिया पर भी निजी क्षेत्र का दबदबा बढ़ा है। यह इतना पेचीदा मसला है और उसे सुलझाने के लिए बड़ी गंभीरता दिखाने की दरकार है। लेकिन राजनैतिक दलों को सिर्फ अपनी सियासत से मतलब है। इसी वजह से भाजपा और विपक्ष पिछड़ा आयोग को लेकर भी अपनी सियासत में लगा है। यह देखना दिलचस्प होगा कि भाजपा नीत एनडीए इसे अगले चुनाव में वोटों में कैसे तब्दील कर पाता है। असल में इस मामले में उसे खासकर हिंदी पट्टी के उत्तर प्रदेश और बिहार में चुनौती मिलने की संभावना है। उत्तर प्रदेश में अगर अखिलेश यादव की सपा और मायावती की बसपा अपने वोट बैंक एक दूसरे को स्थानांतरित करने में कामयाब हो जाते हैं तो भाजपा को ऊंची जातियों के अलावा अति पिछड़ों पर ही अपनी उम्मीद टिकानी होगी। लेकिन अगर अति पिछड़ों पर एनडीए का जादू चलने से सपा-बसपा रोक लेती हैं तो उसे मुश्किल होगी। यही चुनौती बिहार में भी है। वहां राजद अगर अपने पारंपरिक वोट बैंक के अलावा अति पिछड़ों और महादलितों को तोड़ने में कामयाब हो जाता है तो भाजपा ही नहीं, जदयू के लिए भी भारी मुश्किल हो सकती है। अगर उपेंद्र कुशवाहा की लोक समता पार्टी को अपने पाले में लाने की कोशिशों पर गौर करें तो साफ हो जाता है कि राजनीति की धार पर पिछड़े हैं। संभव है, पिछड़ा आयोग को संवैधानिक दर्जा दिलाकर एनडीए इसकी कुछ भरपाई कर ले। मामला पिछड़ा आयोग की सियासत का ही नहीं है, बल्कि दलित सियासत का भी है। इसी वजह से केंद्र सरकार के अब तक के कार्यकाल में दलित उत्पीड़न की वारदातों से उपजी नाराजगी को भी कम करने की कोशिशें शुरू हो गई हैं। यह नाराजगी इस साल 20 मार्च को सुप्रीम कोर्ट के अनुसूचित जाति उत्पीड़न कानून को भी कुछ नरम बनाने संबंधी फैसले से और भड़क उठी। फिर यह फैसला सुनाने वाली पीठ के एक जज आदर्श कुमार गोयल को रिटायर होने के बाद राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण का अध्यक्ष बनाने से भी नाराजगी तेज हुई। इसलिए सरकार अब शायद अगले सत्र में अनुसूचित जाति उत्पीड़न कानून में संशोधन लाने जा रही है, ताकि सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटकर दलितों में भरोसा जगाया जा सके। शायद रामविलास पासवान सहित एनडीए के दलित सांसदों की यह मांग भी सुन ली जाए कि न्यायाधीश गोयल को राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण से हटाया जाए। दलितों को प्रमोशन में भी आरक्षण पर गौर करने की बातें भी चल पड़ी हैं। बहरहाल, इस पूरी सियासत का हश्र तो आम चुनावों के अलावा नवम्बर-दिसम्बर में होने वाले मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के चुनावों में ही दिखेगा।

आज का राशीफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ के योग हैं।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। जारी प्रयास सार्थन होगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है।

कर्क पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मैत्री संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। पड़ोसी या अधीनस्थ कर्मचारी से विवाद हो सकता है। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कन्या पिता का भरपूर सहयोग मिलेगा और उससे प्रगति भी होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी में सौम्यता बनाये रखे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। मकान या सम्पत्ति के मामले में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शासन सत्ता या घर के मुखिया के कारण तनाव मिल सकता है। देशाटन या व्यावसायिक यात्रा फलीभूत होगी। निजी संबंध मधुर होंगे। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।

धनु शासन सत्ता का लाभ मिलेगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। आर्थिक मामलों में सुधार होगा। षड्यंत्र की आशंका है। कोई सुखद समाचार मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। स्थानान्तरण या अन्य व्यावसायिक लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग की संभावना है। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें, कर्ज की स्थिति आ सकती है।

इमरान के नेतृत्व में पाक में एक नये युग शुरू होने का इंतजार

(लेखक-डॉ. भरत मिश्र प्राची)

पाक में बदलते शासकीय 70 वर्ष के इतिहास में सत्ता परिवर्तन के दूसरे लोकतांत्रिक परिदृश्य के तहत हुये आम चुनाव में नेशनल असेम्बली की 272 सीटों के लिये 3459 उम्मीदवार चुनावी मैदान में खड़े रहे जिसमें से इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक- ए इंसाफ ,पीटीआई को सर्वाधिक सीट मिली जो गठबंधन कर फिलहाल पाकिस्तान में सरकार गठित कर सकती है। भ्रष्टाचार से आरोपित एवं भ्रष्टाचार के कारण प्रधानमंत्री पद से हटाये गये नवाज शरीफ की पार्टी मुस्लिम लिग - नवाज, पीएमएल-एन दूसरे नम्बर एवं बिलावल भुट्टो की पार्टी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी , पीपीपी तीसरे पावदान पर खड़ी रही। जब कि चुनाव के दौरान पीपीपी एवं पीएमएल-एन ने धांधली होने का आरोप भी लगाया है। जब कि 342 सदस्यों वाली पाक असेंबली में 272 सदस्यों के सीधे तौर पर चुने जाने की प्रक्रिया है एवं 60 सीटें महिलाओं तथा 10 सीटे धार्मिक अल्पसंख्यख वर्ग के लिये आरक्षित है । 172 सीट पाने वाला राजनीतिक दल अपने बलबुते पर वहां सरकार बना सकता है। वर्तमान में इमरान की पार्टी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में पाक चुनाव में उभर कर सामने आई है जिसे सरकार बनाने के लिये पूर्ण बहुमत नहीं मिला है पर गठबंधन कर यह पार्टी पाक में सरकार गठित कर सकती हे। फिलहाल पाक की बागडोर पीटीआई के हाथ ही आती दिखाई दे रही है जिसके नये कप्तान इमरान खन होंगे। जिनके सामने अनेक चुनौतियां है। जिसमें से अमरिका से संबंध बनाने एवं उसका विश्वास हासिल करने की प्रक्रिया प्रथम प्राथमिकता में है। भ्रष्टाचार के विरोध आवाज लगाकर सत्ता तक पहुंचने वाले इमरान खान पाक में व्याप्त भ्रष्टाचार को कितना दूर कर पाते है, दूसरी चुनौती है। सबसे बडी चुनौती पाक को आतंकवादियों से दुर रख अमन चैन स्थापित कर एक नया महौल कायम करने के साथ - साथ आर्थिक कठिनाईयों से बाहर निकालते हुये पाक को विकास पथ पर ले जाने एवं पड़ौसी राष्टोंऊ से बेहतर संबंध बनाने का है जिसमें वे कितना सफल हो पाते है, आगे आने वाला समय ही बता पायेगा। पडौसी राष्ट्र पाकिस्तान में हुये आम चुनाव में जो परिणाम सामने आये है जिसमें 26/11 के हमले के मास्टर माइंड आतंकी हाफिज सईद की पार्टी मुस्लिम लिग को वहां की अवाम ने बिल्कुल नकार कर यह साबित करने का भरपूर प्रयास किया है कि वह भी खून खतरे से दूर रहकर अमन चैन चाहती है। जिसने पाक के आम चुनाव में अपने 265 उम्मीदवार मैदान में उतारे थे । जब कि पाक के बारे आम धारणा आज तक यहीं बनी हुई है कि वहां की हुकुमत पर आतंकवादियों का प्रभाव है जिससे भारत - पाक के रिश्तें में सुधार बहुत प्रयास करने के वावजूद भी आज तक नहीं हो पाया। पाक की अवाम भी हमारे देश की तरह ही लोकतंत्र में विश्वास करती है। इसी कारण वहां जब - जब भी आम चुनाव हुये है, जो सरकार बनी है, भारत - पाक से रिश्तें बेहतर बनाने के प्रयास भी किये जिससे सदभावना रेल यात्रा के माध्यम से एक बार दोनों देशों के नागरिकों को एक दूसरे देश में यात्रा कर अपने रिश्तेदारों से मिलने का सुअवसर भी मिला पर यह सुखद यात्रा आतंकवादियों के बढ़ते कदम के कारण ज्यादा दिन सफल नहीं हो सकी । वहां की सरकार पर वहां की सेना का भी प्रभुत्व बना हुआ है। आतंकवादियों से जुड़े रहने के कारण पाक का आजतक समुचित विकास भी नहीं हो पाया है। दोनों देश आज तक कश्मीर मामलें को लेकर उलझते ही रहे है जिसे उलझाने में पाक में सक्रिय आतंकवादी गिरोह का सक्रिय योगदान रहा है। जो अवाम में युवा वर्ग को सर्वाधिक रूप से गुमराह करते रहे है जिससे कश्मीर आजतक अशांत क्षेत्र बना हुआ है। जिसके वजह से सेना एवं आतंकवादियों द्वारा किये गये गुमराह आमजन के बीच झड़प होती ही रहती है। वर्तमान में हुये आम चुनाव में पाक की सत्ता फिलहाल एक ऐसे व्यक्ति के पास आ रही है, जिसे अमन चैन का प्रतीक माना जा रहा है। वह खेल प्रेमी है। चुनाव से पूर्व वह भी पाक के पूर्व शासकों की तरह भारत - पाक रिश्तें को बेहतर बनाये जाने की बात तो की है पर चुनाव उपरान्त पाक शासक बनने के बाद उनकी अवधारणा क्या होगी , समय के अंतराल में अभी छिपा है। वह अपने आप को वहां के वर्तमान परिवेश से कितना बाहर कर पाते है या उन्हीं में ढल जाते है जिनके कारण आज तक भारत - पाक के रिश्तें नहीं मधुर हो सके। चुनाव पूर्व से ही शानदार क्रिकेटर से अपनी बेहतर पहचान बनाने वाले इमरान खान पर मजहबी रूढ़ीवादी होने एवं अमेरिका में घोषित आतंकवादी संगठन अलकायदा ग्रुप का समर्थन पाने के आरोप लगते रहे है। जिनकी व्यक्गित जिंदगीं पारिवारिक विवादो से घिरी हुई है। जिन्हें तालिबान समर्थक भी माना जा रहा है। इस तरह के परिवेश से घिरे इस्लामिक वेलफेयर स्टेट का वायदा करने वाले पाक के नये शासक इमरान खान से भारत के रिश्तें कितने बेहतर हो सकेंगे, कह पाना अभी कठिन है। जब कि पाक की अवाम अमन चैन चाहती है। फिर भी इमरान के नेतृत्व में पाक में एक नये युग शुरू होने का इंतजार है जहां पाक की आम जनता की अमन चैन की अवधारणा कायम हो सकेगी। जिससे भारत - पाक के बिगड़ते हालात में सुधार हो सकेगा। जहां पाक के इस नये आलोक में कश्मीर की समस्याओं का बेहतर हल उभर कर सामने आ सकेगा तथा आपसी भाईचारा एवं सौहार्द का एक नया इतिहास कायम हो पायेगा । कहा जा रहा है कि इमरान का झुकाव चीन की ओर कुछ ज्यादा ही है। पर उसे पाक के बेहतर विकास हेतु अमेरिका एवं भारत से भी संबंध बेहतर बनाने होंगे। आज पाक आर्थिक कठिनाईयों के दौर से गुजर रहा है, बेरोजगारी बडें पैमाने पर है जिसे वहां की युवा पीढ़ी भटक रही है। इस तरह के हालात से पाक को बाहर निकालना इमरान के लिये चुनौती है।

विचार मंथन

देश के इस हालात में रुस क्या खाक हस्तक्षेप करेगा?

लेखक-डॉ हिदायत अहमद खान

अमेरिका में जब राष्ट्रपति चुनाव का दौर चल रहा था, तभी जोर-शोर से इस बात की आशंकाएं भी व्यक्त की जा रहीं थीं कि कहीं न कहीं इन चुनावों में रुस का हस्तक्षेप हो रहा है। यही कारण था कि लोकप्रियता में पीछे रहने के बावजूद डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव जीतने में सफल रहे। इसे देखते हुए ही अपने कार्यकाल के आखिरी दिनों जाते-जाते तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने इसकी उच्चस्तरीय जांच की भी घोषणा कर दी थी। बहरहाल इस मामले में जनवरी 2017 के आंकलन में शीर्ष अमेरिकी खुफिया एजेंसियां इस निष्कर्ष पर पहुंचीं थीं कि रूस ने 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप किया था। बावजूद इसके अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब रुस यात्रा पर पहुंचे तो उन्होंने ऐसे तमाम आरोपों और दावों को खारिज करते हुए बयान दे दिया कि रुस ने अमेरिकी चुनाव में किसी प्रकार का कोई हस्तक्षेप नहीं किया है। उनके इस बयान को लेकर अमेरिका समेत दुनियाभर में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया कि क्या कोई राष्ट्रप्रमुख अपनी ही जांच एजेंसी के खिलाफ बयान दे सकता है? इससे पहले कि ट्रंप के बयान को लेकर कोई अंतर्राष्ट्रीय राय कायम की जाती अमेरिका लौटते ही उन्होंने अपने बयान को पलट दिया और कहा कि जो अमेरिका की खुफिया एजेंसियां कह रही हैं वही सही है, रुस ने कहीं न कहीं चुनाव में हस्तक्षेप किया ही किया है, लेकिन यह बात अलग है कि उससे चुनाव के परिणाम प्रभावित नहीं हुए। संभवत- इससे पहले किसी शक्तिशाली राष्ट्र के राष्ट्रपति को इस कदर असमंजस की स्थिति में पड़ते हुए नहीं देखा गया था। यह सब चल ही रहा था कि ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के सोशल मीडिया विशेषज्ञों ने यह कहकर सभी को गहरी नींद से जगा दिया कि भारत और ब्राजील जैसे देशों के चुनाव में रुस हस्तक्षेप कर सकता है। अब चूंकि भारत के आम चुनाव 2019 में होने जा रहे हैं तो यह खबर हमारे लिए विशेष महत्व रखती है। वैसे भी पिछले कुछ समय से विपक्ष लगातार ईवीएम मशीनों की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करता चला आ रहा है, ऐसे में यह खबर और भी चिंता को बढ़ाने जैसा है। दरअसल अमेरिकी सांसदों के समक्ष रिपोर्ट को रखते हुए दावा किया गया है कि चुनाव प्रभावित करने के लिए रूस वहां की मीडिया को निशाना बना सकता है जहां हाल ही में चुनाव होने हैं। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के ऑक्सफोर्ड इंटरनेट इंस्टीट्यूट एंड बेलियोल कॉलेज के प्राध्यापक फिलिप एन. हॉवर्ड ने सोशल मीडिया मंचों पर विदेशी प्रभाव के मामलों पर सीनेट की खुफिया कमेटी की सुनवाई में यह बात रखकर सभी को बाखबर तो कर दिया, लेकिन इसके प्रभाव को कैसे रोका जा सकता है या इसकी मारक क्षमता को किस तरह से कम किया जा सकता है, इस बारे में कोई ठोस बात सामने नहीं आई है। यह जरुर कहा जा रहा है कि सजगता और इसकी संपूर्ण जानकारी ही इसके हस्तक्षेप को रोक सकता है। चूंकि इस रिपोर्ट में यह भी आशंका जाहिर की गई है कि यदि रुसी हस्तक्षेप को नहीं रोका गया तो इन देशों के हालात चुनाव के दौरान और भी खराब हो सकते हैं। मतलब इस समय जो अविश्वास, आक्रामकता और अफरातफरी का माहौल देश में बनता जा रहा है, उसमें और भी बढ़ोत्तरी हो सकती है। इसी के जरिए मतदाताओं के रुझान को किसी विशेष राजनीतिक दल या नेता के प्रति बदला जा सकता है। वैसे इस मामले में खुद हॉवर्ड ने विस्तार के साथ और अधिक ब्यौरा प्रस्तुत नहीं किया है, इसलिए इन्हें आरोपों से ज्यादा कुछ माना नहीं जा सकता। बावजूद इसके यहां हॉवर्ड की आशंका इसलिए निर्मूल नहीं है क्योंकि हमारे देश में मीडिया अमेरिका जितना पेशेवर नहीं है। इसलिए सीनेटर सुसान कोलिंस के एक सवाल का जवाब देते हुए हॉवर्ड जब यह कहते हैं कि भारत और ब्राजील के चुनावों में मीडिया के जरिए हस्तक्षेप की संभावना बनती ही बनती है, तो सचेत रहने की आवश्यकता तो जान पड़ती ही पड़ती है। अपनी बात की पुष्टि में उन्होंने हंगरी का उदाहरण जरुर दिया, लेकिन हंगरी के अंदरुनी हालात और हमारे देश के हालात में जमीन-आसमान का अंतर है, इसलिए आशंकाओं को बल मिलने में अभी और भी तथ्यों और उदाहरणों की आवश्यकता है। बकौल हॉवर्ड, 'मैं यहां यह कह सकता हूं कि हमारे लोकतांत्रिक सहयोगी देशों में अधिक चिंताएं हो सकती हैं।

टी. वी भाषण दौरान वेनेजुएला के राष्ट्रपति पर ड्रोन हमला

काराकास।

लाइव टीवी भाषण के दौरान वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर ड्रोन हमले का समाचार है । जानकारी के अनुसार हमले में मादुरो बाल-बाल बच गए जबकि 7 जवान घायल हो गए। बताया जा रहा है कि शनिवार को लाइव टीवी भाषण के दौरान विस्फोटक भरे ड्रोन से मादुरो पर हमला किया गया। हमले के बाद हर तरफ अफरा-तफरी मच गई। वहीं, घटनास्थल पर आग लगने के कारण दमकलकर्मियों को बुलाना पड़ा। ड्रोन हमले की पुष्टि करते हुए वेनेजुएला के सूचना मंत्री जॉर्ज रोड्रिग्ज ने बताया, मादुरो को निशाना बनाते हुए ड्रोन से हमला किया गया। हमला उस वक्त हुआ जब मादुरो राजधानी कराकस में सैंकड़ो सिपाहियों को संबोधित कर रहे थे। हालांकि राष्ट्रपति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।ड्रोन हमले का एक वीडिया भी सामने आया है। जिसमें मादुरो भाषण देते दिखाए दे रहे हैं। तभी अचानक कुछ धमाके की आवाज सुनाई देती है और वहां मौजूद राष्ट्रपति समेत कई अधिकारी आसमान की ओर देखने लगते हैं। बताया जा रहा है कि ये धमाका शनिवार शाम करीब 5:41 (स्थानीय समयानुसार) हुआ। जांच से पता चला है कि विस्फोटक को ड्रोन से बांधकर यह हमला किया गया। उल्लेखनीय है कि बीते मई में ही वेनेजुएला में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव हुआ था, जिसमें निकोलस मादुरो ने जीत हासिल की थी। हालांकि मादुरो पर चुनाव में धांधली करने का भी आरोप लगाया था।इस बीच राष्ट्रपति मादुरो ने हमले के पीछे विदेश ताकतों का हाथ होने की बात कही हैं। उन्होंने कहा, मुझे जान से मारने की कोशिश की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि इस हमले में को लंबिया के कुछ गुटों का हाथ है। साथ ही, कोलंबियाई राष्ट्रपति जुआन मैनुअल सैंटोस पर भी कई गंभीर आरोप लगाए। सोशल मीडिया पर पोस्ट एक बयान के मुताबिक, रहस्यमय विद्रोही समूह ने राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर हुए ड्रोन हमले की जिम्मेदारी ली है। इस समूह ने कहा, यह हमला मिलिट्री सम्मान के विरोध में था, जो उस शख्स को दिया गया, जो संविधान भूल चुका है।

चुनाव में इमरान खान की पार्टी की बड़ी जीत का खुल गया राज, अपनाया था फंडा

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान चुनाव में इमरान खान की पार्टी की जीत का राज अब खुल कर सामने आ गया है। जानकारी के मुताबिक एक मोबाइल ऐप और 50 करोड़ लोगों के डेटाबेस ने इमरान खान को चुनाव जिताने में मदद की। इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) लोगों को पोलिंग बूथ तक लाने में भी कामयाब रही। अपने इस प्लान को काफी दिनों तक गोपनीय रखा ताकि दूसरी पार्टियां इसकी नकल न कर लें। मोबाइल ऐप के जरिए उन लोगों को चुनाव के दिन पोलिंग बूथ तक लाया गया जिन्हें जगह ढूंढने में परेशानी हो सकती थी। नैशनल असेंबली में पीटीआई को 116, नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) को 64 और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) को 43 सीटें मिलीं। पाकिस्तान में करीब 10.5 करोड़ वोटर हैं। पाकिस्तान में सरकारी फोन सेवा से भी लोगों को मतदान बूथ की जानकारी दी जाती है, लेकिन 25 जुलाई को इस सिस्टम में खराबी आ गई। वहीं, इमरान की विरोधी पार्टियों का आरोप है कि उन्हें पाक आर्मी समर्थन दे रही है।

ऐ पीटीआई ने चुनाव मे जीत हासिल करने के लिए एक कॉन्स्टिट्यूएंसी मैनेजमेंट सिस्टम (सीएमएस) तैयार कराया। पीटीआई नेता असद उमर के निजी सचिव और सीएमएस की एक यूनिट संभालने वाले आमिर मुगल कहते हैं, ऐप और डेटाबेस का जबर्दस्त असर हुआ। इमरान ने पूरे पाकिस्तान के चुनाव क्षेत्रों में डेटाबेस जुटाने के लिए टीमें तैनात कीं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, 2013 के चुनाव में पीटीआई लोकप्रियता के बावजूद जीत नहीं पाई थी। पिछली हार से सबक लेते हुए इमरान ने इस बार एक टेक्नीकल टीम गठित की। वहीं, लोगों का मानना है कि शरीफ का प्रचार काफी बिखरा हुआ था।

सुषमा ने उज्बेकिस्तान प्रधानमंत्री के साथ की बैठक, इन मुद्दों पर हुई चर्चा

ताशकंद ।

विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने अपनी तीन देशों की यात्रा के अंतिम चरण में उज्बेकिस्तान के प्रधानमंत्री अब्दुल्ला अरिपोव और विदेश मंत्री अब्दुल अजीज कमिलोव के साथ बैठक कर व्यापार, रक्षा, सुरक्षा समेत द्विपक्षीय और क्षेत्रीय महत्व के मुद्दों पर चर्चा की। स्वराज ने शनिवार को उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में अरिपोव के साथ बैठक की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने ट्वीट किया, स्वराज ने उज्बेकिस्तान के प्रधानमंत्री अब्दुल्ला अरिपोव के साथ ताशकंद में बैठक की। बैठक में उज्बेगिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव की भारत यात्रा पर विचार विमर्श किया गया। मिर्जियोयेव के इसी वर्ष भारत यात्रा पर आने की संभावना है। स्वराज ने अरिपोव के साथ भारत-उज्बेकिस्तान के द्विपक्षीय संबंधों पर भी चर्चा की। स्वराज ने विदेश मंत्री अब्दुल अजीज कमिलोव के साथ बैठक कर व्यापार, रक्षा और सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर बातचीत की। इसके अलावा क्षेत्रीय एवं वैश्विक के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। कुमार ने ट्वीट किया कि स्वराज ने ताशकंद में रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित किया। इससे पहले स्वराज के उज्बेकिस्तान के ताशकंद पहुंचने पर विदेश मंत्री अब्दुल अजीज केमिलोव उनका स्वागत किया।स्वराज ने यहां पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की स्मारक पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शास्त्री की 1966 में ताशकंद यात्रा के दौरान दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। स्वराज की कजाखस्तान, किर्गिस्तान एवं उजबेकिस्तान यात्रा को पश्चिम एशियाई देशों के साथ कूटनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की दृष्टि से देखा जा रहा है।

भारत का संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन की सेवा के 70 साल पूरे

संयुक्त राष्ट्र ।

संयुक्त राष्ट्र की शांति मिशन की सेवा में भारत का अहम योगदान है और इस सेवा के 70 साल पूरे हो चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन में भारतीय सैनिक और पुलिस के जवान प्रांरभ से ही जुड़े हुए हैं और चुनौती के मौजूदा समय में भी वे अपने कर्तव्य को बखूबी निभा रहे हैं। संरा शांति मिशन के अवर महासचिव जीन पियरे लैक्रोइक्स ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कहा, संरा का शांति मिशन जटिल परिस्थितियों में आगे बढ़ रहा है और हम भारत जैसे अपने प्रबल सहयोगियों के आभारी हैं जिन्होंने नई चुनौतियों को स्वीकार करते हुए कमजोर नागरिकों की रक्षा के हमारे प्रयासों में सार्थक रूप से सहयोग कर रहे हैं। संरा की 14 शांति मिशनों के लिए वर्तमान में काम कर रहे 91 हजार सैनिकों तथा पुलिसकर्मियों में एक तिहाई सैनिक तथा पुलिसकर्मी भारत, नेपाल, बांग्लादेश और पाकिस्तान के हैं। वर्ष 1948 में स्थापित संरा के शांति मिशन की दुनियाभर में

स्थापित 71 शांति इकाइयों में अब तक दो लाख से अधिक भारतीयों ने अपनी सेवाएं दी है। मौजूदा समय में लगभग 6,700 भारतीय संरा के शांति मिशन के लिए काम कर रहे हैं जिनमें से सबसे अधिक कांगो तथा दक्षिणी सूडान में तैनात हैं।

संक्षिप्त समाचार

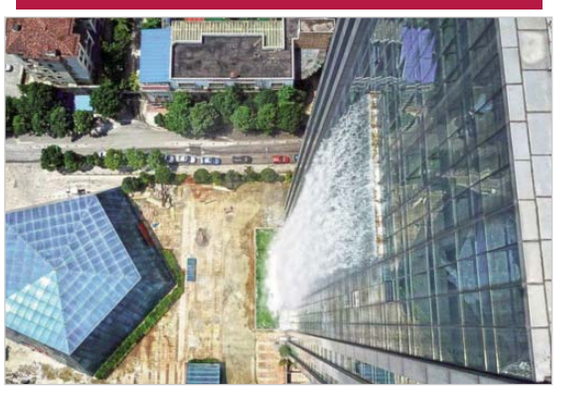

चीन में बनी खूबसूरत गगनचुंबी इमारत सोशल मीडिया के निशाने पर

बीजिंग। चीन में करोड़ों रुपए खर्च बनाई गई एक गगनचुंबी इमारत लोगों को पसंद नहीं आ रही है। चीन के लाइबियन इंटरनेशनल बिल्डिंग को इस तरह डिजाइन किया गया है कि 121 मीटर ऊंची इमारत से करीब 108 मीटर (350 फुट) की ऊंचाई से एक कृत्रिम झरना नीचे गिरता है। लेकिन लोगों को ये फिजूलखर्ची लग रही है। झरने के साथ यह इमारत नयनाभिराम दृश्य बनाती है, लेकिन इसे डिजाइन करने वाले के लिए यह काम बदनामी का कारण बन गया है। लोग इसे पैसे की बर्बादी बता रहे हैं। लोगों की नजर में इमारत से झरना नहीं, पानी की तरह पैसा बहाया जा रहा है जिसकी कोई जरूरत नहीं है। इस इमारत के झरने को लेकर लोगों ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की झड़ी लगा दी है और सुझाव भी देने शुरू कर दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इमारत में झरने का काम दो साल पहले ही पूरा हो गया था, लेकिन बाकी बचा काम अभी निपटाया जा रहा है। इस काम पर प्रतिदिन 2 लाख 4 हजार रुपए खर्च किए जा रहे हैं। इमारत के मालिकों का दावा है कृत्रिम झरना चलाने में हर घंटे के हिसाब से 800 युआन यानी करीब साढ़े आठ हजार रुपए का खर्चा आ रहा है। इस इमारत को लुडी इंडस्ट्री ग्रुप ने बनाया है। इसमें एक शॉपिंग मॉल, कई दफ्तर और एक लक्जरी होटल तैयार किया जा रहा है। झरने के लिए बारिश और जमीन के पानी का इस्तेमाल होता है, जिसे विशालकाय भूमिगत टैंक में जमा किया जाता है। इमारत बना रही कंपनी का कहना है कि यह इलाके के विषम प्राकृतिक हालातों को दी गई श्रद्धांजलि है। यूजर्स कह रहे हैं कि इन इमारतों की शक्ल में जनता और शेयर होल्डर्स के पैसों की बर्बादी हो रही है। चीन के सरकारी चैनल सेंट्रल टेलीविजन के बीजिंग मुख्यालय की एक इमारत यह कहकर खिल्ली उड़ाई जाती है कि वह कोख की तरह दिखती है।

लंदन में दुर्लभ मस्तिष्क ट्यूमर से मरा बेटा, भारतवंशी दम्पति ने उठाया बड़ा कदम

लंदन। लंदन में दुर्लभ मस्तिष्क ट्यूमर से पीड़ित बेटे को खोने के बाद एक भारतीय मूल का दम्पति लोगों से फंड जुटाने की अपील कर रहा है। पिछले साल इनके 14 वर्षीय बेटे की मस्तिष्क ट्यूमर से मृत्यु हो गई थी। अब यह दंपति नहीं चाहता की किसी और की मृत्यु इस दुर्लभ बीमारी से हो, इसलिए उन्होंने बीमारी से जुड़े अनुसंधान के लिए फंड इकट्ठा करने के लिए खुशील पांड्या फंड संस्थान की स्थापना की है। खुशील पांड्या बड़ा होकर एक जीव वैज्ञानिक बनना चाहता था, लेकिन मार्च 2015 में पता चला कि उसे डिफ्यूज इंट्रिन्सिक पोंटिन ग्लियोमा (डीआईपीजी) है। माता-पिता ने आई केयर अस्पताल में उसका इलाज करवाया। खुशील की मां नम्रता पांड्या ने कहा कि यह हमारे जीवन का सबसे बड़ा झटका था। हमें नहीं पता था कि एक आंख में होने वाला झुकाव इतना घातक हो सकता है। नम्रता पांड्या और उनके पति भावेश ने इस हफ्ते खुशील पांड्या फंड संस्थान की स्थापना की। दंपति का कहना है कि वह इस संस्थान के जरिए यूके ट्यूमर चैरिटी के लिए फंड इकट्ठा करेंगे। यह फंड दुर्लभ ट्यूमर के अनुसंधान में काम आएगा। संस्थान के ऑनलाइन पेज पर खुशील के माता-पिता ने लिखा-खुशील के बिना जीवन आसान नहीं है।

ढाका में छात्रों के प्रदर्शन दौरान हिंसक झड़प, सैंकड़ों घायल

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में सड़कों को सुरक्षित बनाने की मांग कर रहे युवाओं का प्रदर्शन सातवें दिन भी जारी रहा। एक रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को इस प्रदर्शन के दौरान हुई हिसंक झड़पों में क़रीब 25 छात्रों समेत सैंकड़ों लोग घायल हो गए। हालांकि अभी तक ये स्पष्ट नहीं हो सका है कि हमला करने वाले कौन थे। लेकिन स्थानीय मीडिया का आरोप है कि ये हमला सत्तारूढ़ पार्टी से जुड़े एक छात्र समूह ने किया है। प्रदर्शन के दौरान हज़ारों की संख्या में लोग सड़कों पर यातायात को रोकते, वाहनों और चालकों को रोकते हुए नज़र आए। इन लोगों की मांग है कि सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाया जाए। बीते रविवार को एक तेज़ रफ़्तार बस ने एक लड़के और लड़की को कुचल दिया था और हादसे में दोनों की मौत हो गई। उनकी मौत के बाद से ही ढाका में ये प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रदर्शनों को देखते हुए बांग्लादेश सरकार ने देश में मोबाइल इंटरनेट सेवा पर 24 घंटे के लिए रोक लगा दी है। सरकार ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों से प्रदर्शन छोड़कर फिर से कक्षाओं का रुख़ करने की अपील की है।इससे पहले एक मंत्री ने छात्रों पर दिखावा करने का आरोप लगाया था, जिसके बाद काफ़ी हंगामा हुआ था। हालांकि बाद में उन्होंने इसके लिए माफ़ी मांग ली। रिपोर्ट्स की मानें तो शनिवार को पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस और रबर की गोलियों का इस्तेमाल किया। हालांकि पुलिस इस तरह की बातों से इंकार कर रही है। समाचार एजेंसी एएफ़पी ने एक प्रत्यक्षदर्शी डॉक्टर अब्दुस शब्बीर के हवाले से कहा है कि प्रदर्शन के दौरान घायल लोगों की संख्या काफ़ी अधिक है और क़रीब 100 से ज़्यादा लोग घायल हुए हैं।

भारत का सबसे महत्वकांक्षी मिशन चंद्रयान-2 फिर टला

नई दिल्ली।

भारत का सबसे महत्वकांक्षी मिशन चंद्रयान-2 एक बार फिर से टाल दिया गया है। इसे इसी साल अक्तूबर के पहले सप्ताह में भेजा जाना था लेकिन तकनीकी गड़बड़ी के चलते ऐसा नहीं हो पाएगा। बताया जा रहा है कि इसे अब दिसंबर 2018 तक टाल दिया गया है। इस मिशन के दौरान इसे पिछले साल 23 अप्रैल को भेजा जाना था लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। एक शीर्ष अधिकारी का कहना है कि भारत का ये सपना अब जनवरी 2019 में ही पूरा हो पाएगा। गौरतलब है कि भारत और इसराईल के बीच चांद पर पहुंचने वाले दुनिया के चौथा देश बनने की रेस लगी हुई है। बीते साल तक तो लग रहा था कि साल 2018 में भारत का ये सपना पूरा हो जाएगा लेकिन अब इस सपने झटका लगा है। बता दें चांद पर पहुंचने वाले तीन देशों की लिस्ट में पहले नंबर पर अमरीका, दूसरे पर रूस और तीसरे पर चीन है। अब दो एशियाई देशों के बीच प्रतियोगिता हो रही है कि कौन चौथा स्थान हासिल करेगा। अब यह देखने वाली बात होगी कि इसराईल भारत से पहले चांद पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवा पाता है या नहीं। जानकारी के लिए बता दें यह भारत की दूसरी चांद यात्रा है। इसके अलावा भारत के मून रोवर की पहली तस्वीर भी इसरो के 800 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट चंद्रयान-2 मिशन का ही अहम हिस्सा है। इसरो का कहना है कि चंद्रयान-2 पूरी तरह से विदेश में विकसित मिशन है। चंद्रयान-2 अंतरिक्ष यान का वजन करीब 3,290 किलोग्राम है और वह चांद के चारों ओर चक्कर लगाते हुए आंकड़े एकत्रित करेगा।

नासा के पहले कमर्शियल मिशन के लिए सुनीता सहित 9 ऐस्ट्रनॉट्स चयनित

ह्यूस्टन। नासा ने अपने पहले कमर्शियल रॉकेट और कैप्सूल के जरिए अंतरिक्ष जाने के मिशन के लिए भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स सहित 9 लोगों का नाम नामित किया है । अभियान अगले साल शुरू होगा। नैशनल ऐरोनॉटिक्स ऐंड स्पेस ऐडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने कई साल पहले इस यान के विकास और निर्माण का विचार किया था और अब वह वाणिज्यिक अंतरिक्ष यान के जरिए अंतरिक्षयात्रियों को भेजने जा रहा है। नासा ने शुक्रवार को घोषणा की कि पहले प्रायोगिक यान पर 9 अंतरिक्ष यात्रियों को भेजा जाएगा। नए अंतरिक्षयान का निर्माण और इसका संचालन बोइंग कंपनी और स्पेसएक्स ने किया है। नासा ने ट्वीट किया, 'भविष्य के कमर्शल क्रू के अंतरिक्षयात्री स्पेस एक्स ऐंड बोइंगस्पेस के सहयोग से निर्मित यान के जरिए अंतरिक्ष की यात्रा पर निकलेंगे। नासा के प्रशासक जिम ब्राइडन्सटाइन ने 'लॉन्च अमेरिका' घोषणा के दौरान कहा, 'हमलोग अमरीकी अंतरिक्षयात्रियों को अमेरिकी सरजमीं से अमेरिकी रॉकेट से भेजने के कगार पर हैं।' नासा के 8 सक्रिय अंतरिक्षयात्री और एक पूर्व अंतरिक्षयात्री एवं वाणिज्यिक चालक दल के सदस्य को वर्ष 2019 की शुरुआत में बोइंग सीएसटी-100 स्टारलाइनर एवं स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल्स से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन भेजा जाएगा। ब्राइडन्सटाइन ने कहा, 'आज अंतरिक्ष के क्षेत्र में महान उपलब्धि हासिल करने के हमारे देश का सपना हमारी मुट्ठी में है। अंतरिक्ष के महारती इन अमेरिकी अंतरिक्षयात्रियों का यह समूह हमारे वाणिज्यिक सहयोगी बोइंग एवं स्पेसएक्स द्वारा निर्मित नए अंतरिक्षयान पर उड़ान भरेगा, जो मानव अंतरिक्षयान के युग में नई शुरुआत होगी।'

डकैत ने कोर्ट में जबरन की बहस

ओहियो। डकैती के एक मामले की सुनवाई के दौरान ओहियो अदालत के नाराज जज ने आरोपी के मुंह पर टेप चिपकाने के आदेश दे दिए। दरअसल, आरोपी फ्रेंकलिन विलियम्स पर डकैती का आरोप था। कोर्ट में बहस चल रही थी। सरकारी वकील और आरोपी का वकील दलील रख रहे थे, लेकिन फ्रेंकलिन भी बहस में लगातार हस्तक्षेप कर रहा था। इससे जज जॉन रूसो खफा हो गए। आधे घंटे की बहस के दौरान जज ने फ्रेंकलिन को 12 बार चुप रहने की चेतावनी दी। आखिर में फ्रेंकलिन को दोषी मानते हुए 24 साल कैद की सजा सुनाई गई। जज जॉन रूसो ने फ्रेंकलिन से कहा, मैं आपके वकीलों से बात कर रहा हूं। आप चुप रहें तो बेहतर होगा। फ्रेंकलिन ने उनकी बात काटते हुए कहा, आपने मुझे चुप रहने को कहा? इस बात का क्या मतलब है? मुझे बोलने से कैसे रोका जा सकता है। जज के ऑर्डर के बाद कोर्टरूम में मौजूद पुलिस अफसर टेप लेकर आए और उसे फ्रेंकलिन के मुंह पर टेप चिपका दिया। जज जॉन रूसो ने मीडिया से कहा, मेरी कोर्ट में सभी के पास अपनी बात रखने के मौके होते हैं। लेकिन कोई दूसरे की बात में बेवजह टांग नहीं अड़ा सकता। मेरा मकसद विलियम्स को चुप करना कराना नहीं था। मैं उसे समय आने पर मौका देना चाहता था, लेकिन उसका बोलना लगातार जारी रहा। इससे पहले दिसंबर में सुनवाई के दौरान फ्रेंकलिन भाग गया था।

अमरीका में चला रहा था छोटी सी नाव, पहुंच गया रूस

न्यूयार्क। अमरीका में छोटी सी नाव पर सवार एक व्यक्ति अचानक रूस पहुंच गया । इस इसका तब पता चला जब रूस की सीमा में उसे गिरफ्तार कर लिया गयाय् अमेरिका के एक नागरिक को रूस के बॉर्डर गार्ड्स ने हिरासत में ले लिया। दरअशल अमरीका के जॉन मार्टिन अलास्का की यूकोन नदी में नाव चला रहे थे। जॉन अपनी नाव से थोड़ी दूर ही निकले थे कि अचानक मौसम खराब हो गया। ऐसे में बिना किसी जानकारी के जॉन अमरीका और रूस के बीच स्थित बेरिंग समुद्र में भटक गए। करीब दो हफ्ते के बाद जब जॉन ने समुद्र के किनारे कदम रखा तो उन्हें बॉर्डर गार्ड्स ने गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद ही जॉन को अंदाजा हुआ कि वे अमरीका में नहीं हैं, बल्कि रूस पहुंच गए हैं। रूस के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि बॉर्डर पुलिस ने जॉन मार्टिन को चुकोत्का प्रांत के लवरेंतिया से गिरफ्तार किया। इस बारे में अमरीकी दूतावास को खबर दी गई। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जाखारोव ने बताया कि स्थानीय अधिकारी उन्हें जल्द ही चुकोत्का की राजधानी अनादिर पहुंचा दिया जाएगा। अमेरिकी दूतावास ने भी जॉन को अपने देश पहुंचाने के लिए हरसंभव मदद की बात कही है।

संयुक्त राष्ट्र ने की शांतिरक्षक अभियानों में भारत के योगदान की सराहना

संयुक्त राष्ट्र।

संयुक्त राष्ट्र ने शांतिरक्षक अभियानों में भारत के बहुमूल्य योगदान के लिए उसकी सराहना की है साथ ही शांति के लिए भारत के वर्दीधरी पुरूषों तथा महिलाओं की प्रेरणादायक सेवा के लिए उनकी तारीफ की। शांतिरक्षक अभियानों के लिए अवर महासचिव जीन पेरी लेक्रोइक्स ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के शांतिरक्षक अभियान बेहद जटिल वातावरण में चलते हैं और हम भारत जैसे दृढ़ साझेदारों के आभारी हैं जो नई चुनौतियों के सामने खड़ा है और नागरिकों की रक्षा के हमारे प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान देना जारी रखे है। संयुक्त राष्ट्र का जन सूचना विभाग (डीपीआई) संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा के 70 वर्ष पूरे होने पर 'यूएन पीस कीपिंग-र्सिवस एडं सेक्रीफाइज नाम से एक अभियान चला रहा है। इस अभियान का मकसद संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षकों के साथ ही उन देशों के प्रति आभार व्यक्त करना है जो कि शांतिरक्षक अभियानों में अपने वर्दीधारी पुरूष और महिलाओं को भेजते हैं। यह अभियान एक-एक देश को आधारित करके चलाया जा रहा है और इस सप्ताह यह भारत पर केन्द्रित है। भारत शांतिरक्षक अभियानों में सबसे बड़ा योगदानकर्ता है और सबसे ज्यादा कर्मी यहीं के मारे गए हैं। विशेष फीचर ''इंडिया एडं द यूनः सेलिब्रेटिंग 70 इयर्स ऑफ इनवैल्यूएबल र्सिवस टू द कॉज ऑफ पीस'' के अनुसार लैक्रोइस ने कहा कि किसी भी अन्य सदस्य देश की तुलना में भारत ने सबसे ज्यादा शांतिरक्षक खोए हैं। हम इस नुकसान के लिए उनके परिवारों और भारत सरकार के लोगों के प्रति दुख व्यक्त करते हैं।

दक्षिण सूडान में 850 भारतीय बटालियन की कमान संभालने वाले कर्नल गौरव बत्रा के अनुसार इस प्रकार के प्रयास, ''भारतीय संस्कृति का सामान्य हिस्सा है। उन्होंने एक फीचर में कहा, '' हमारे देश में भी कभी कभी हमें ऐसे क्षेत्रों में काम करने के लिए बुलाया जाता है जहां लोगों की समस्या दूर करना बेहद मुश्किल है। जब हम शांतिरक्षक अभियानों पर हैं उस वक्त जरूरत के वक्त कभी भी काम करना भारतीय सेना की प्रकृति है।''

सूरत। विश्व आदिवासी दिवस पर आदिवासी समाज द्वारा भव्य रैली का आयोजन किया गया जो अठवालाइंस से मजूरागेट होते हुए घुड़दौड रोड़ पहुंची।

सूरत। हरियाणा मित्र मंडल द्वारा कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया। रविवार को सैकड़ों की संख्या में शिव भक्तों ने कावड़ यात्रा में भाग लिया।

नरेन्द्र मोदी २३ अगस्त को गुजरात पहुंचेंगे

मोदी की गुजरात दौरे को लेकर आक्रामक तैयारियां

अहमदाबाद । लोकसभा चुनाव को अब कुछ ही दिन बाकी है तब भाजपा ने चुनाव को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अब २३ अगस्त को गुजरात पहुंच रहे है। मोदी पहले २० जुलाई को गुजरात पहुंचनेवाले थे लेकिन वलसाड और जूनागढ़ में भारी बारिश की वजह से उनकी उस समय में मुलाकात को स्थगित कर दिया गया था। अब २३ अगस्त को गुजरात पहुंचेंगे। यह दौरे के दौरान मोदी भाज पा के टोप के नेताओं के साथ उच्चस्तरीय बैठक आयोजित करेंगे। वह सितम्बर महीने में अपने जन्म दिवस पर राज्य की मुलाकात में फिर से आ सकते

है।इसके बाद अक्टूबर महीने में भी एक या दो बार गुजरात में आ सकते है। राजनीतिक सर्कल में अधिकतर लोग मान रहे है कि मोदी का यह दौरा चुनाव को लेकर काफी महत्वपूर्ण बन गया है। लोगों के बीच जाने के लिए तैयार है। मोदी आक्रामक चुनाव प्रचार करने की योज ना है। लोगों के अभिप्राय को समझने का भी वह प्रयास करेंगे । २३ अगस्त को मोदी पहुंच रहे है तब उनके स्वागत को लेकर तैयारियां चल रही है । वह आवास निर्माण और प्रधानमंत्री आवास योजना में बनाये गए मकानों भी सौंपेंगे । सार्वज निक कार्यक्रम में वलसाड में वह हिस्सा लेंगे । इस मामले में चीफ सेक्रेटरी जेएन सिंह ने कहा है कि, प्रधानमंत्री धरमपुर, कपराडा और अन्य क्षेत्रों के लिए ५०० करोड़ रुपये के पानी आपूर्ति प्रॉजेक्ट के कार्यक्रम में भी हिस्सा लेंगे । देरी से मोदी गांधीनगर पहुंचेंगे । ज हां जीएफएसयु के कन्वोकेशन कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इसके बाद दिल्ली जाने के लिए रवाना होंगे। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। भाज पा और कांग्रेस द्वारा लोकसभा चुनाव को लेकर तैयारियां शुरू की गई है तब मोदी गुजरात में भाजपा के टोप नेताओं के साथ उच्चस्तरीय बैठक आयोजित करके परिस्थिति के बारे में जानकारी लेंगे।

मूंगफली घोटाले में बड़ी मछली को गिरफ्तार करना अभी बाकी

अहमदाबाद। मूंगफली घोटाले के मुद्दे पर विपक्षी पार्टी के नेता परेश धानाणी ने राजकोट में शापर जीआईडीसी गोदाम के बाहर प्रतीक उपवास पर बैठकर रविवार को लगातार तीसरे दिन किसानों के लिए उनकी लड़ाई जारी रखी गई । राज्यभर में भारी सनसनी मचानेवाले पेढला मूंगफली घोटाले में गत दिन पुलिस द्वारा नाफेड के चेयरमैन के भतीजा सहित २२ आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद रविवार को विपक्षी पार्टी के नेता परेश धानाणी ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि, पहले मूंगफली के पांच गोदाम जल गये इसका फॉरेंसिक रिपोर्ट भी सरकार अभी तक जारी नहीं कर सकी है। अब पेढला प्रकरण में तो दवाब में आकर सरकार ने बड़े लोगों को गिरफ्तार नहीं किया है।

सूरत में अलथाण के गार्डन में बातों में मशगुल

मां-पिता बातें करते रहे बच्ची तालाब में डूब गई

सूरत। अलथाण के गार्डन में बातों में मशगुल-मशगूल मां-पिता की जानकारी के बाहर खेलते-खेलते ३ वर्ष की बच्ची तालाब में डूब गई । पांडेसरा हरिनगर में रहते पप्पूकुमार यादव डाइंग मिल में सुपरवाइजर है। । शुक्रवार शाम को अपने ७ वर्षीय पुत्र आयुष और ३ वर्ष की पुत्री अन्या ने बगीचे में घूमने जाने की जिद करने पर पप्पूकुमार अपनी पत्नी और दोनों बच्चों को साथ में लेकर के साथ लेकर अलथाण गार्डन में घूमने के लिए गए थे। दोनों बच्चे गार्डन में झूला पर तथा अन्य साधनों पर खेल रहे थे । कुछ समय मोबाइल में बच्चों के फोटो खींचने के बाद पप्पूकुमार और उनकी पत्नी बेंच पर बैठकर बातों में मशगुल हो गये। दो-तीन मिनट के दौरान मासूम अन्या अचानक लापता हो गई। जि सकी वजह से पप्पूकुमार और उनकी पत्नी ने अन्या की खोज बीन शुरू की। देर रात तक ढूढ़ने के बाद भी अन्या का कोई पता नहीं चला । जि सकी वजह से पुलिस को जानकारी दी थी । पुलिस ने रात को खोजबीन की लेकिन कोई पता नहीं चला। शनिवार को सुबह में फिर से पप्पूकुमार गार्डन में पुत्री को ढूढ़ने के लिए गया तब पुत्री की चप्पल तालाब के पानी में दिखाई दी खटोदरा पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस और फायरब्रिगेड घटना स्थल पर पहुंच गई थी ढूढ़ने पर मासूम अन्या का शव तालाब के पानी में से मिला। हम अलथाण बगीचे में घूमने के लिए गये थे। मैंने मना किया था। बच्चों ने जिद करने पर हम बगीचे में गये। मैं और मेरी पत्नी बेंच पर बैठे थे। दोनों बच्चे झुला खा रहे थे। २ से ३ मिनट में मेरी छोटी पुत्री अन्या लापता हो गई थी । अन्या नहीं दिखाई देने पर मैं इसे ढूढ़ रहा था। मेरा पुत्र आयुष ने आकर कहा अन्या नहीं दिखाई दे रही है। देर रात तक ढूढ़ने के बाद कोई पता नहीं लगने पर पुलिस को सुबह में जांच करने के लिए कहा गया।

धारी गीर क्षेत्र में शेरनी की जहरीली वायरस से मौत हुई

अहमदाबाद । गीर क्षेत्र में शेर सहित के अन्य वन्य प्राणियों की मौत की घटना अक्सर सामने आती रहती है लेकिन सरकारी प्रशासन या वन विभाग द्वारा इस मामले में कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया जाता है जि सकी वजह से वाइल्डलाइफ प्रेमियों में नाराजगी बढ़ गई है । अमरेली के धारी गीर हडाला रेन्ज में एक शेरनी की जहरीली वायरस से मौत होने की वजह से भारी सनसनी मच गई है । वन विभाग के अधिकारी सक्रिय हो गये है। दूसरी तरफ मीतियाला अभ्यारण में से भी एक शेरनी का शव मिलने से प्रशासन ने अब जांच शुरू कर दी है। हालांकि दोनों शेरनी की मौत को लेकर पोस्टमोर्टम और एफएसएल की मदद ली जा रही है जिसकी वजह से सही कारण का पता लगाया जा सकता है । पहले भी तीन दिन पहले इस क्षेत्र में ३ तेंदुए के बच्चे की मौत होने की घटना सामने आने पर वाइल्डलाइफ प्रेमियों में भारी नाराजगी फैल गई है, तब रविवार को दो शेरनी की मौत की घटना सामने आने पर फिर से एक बार शोक की लहर फैल गई है। अमरेली के धारी में हडाला रेन्ज में ९ वर्ष की शेरनी की जहरीली वायरस से मौत हुई है और मीतियाला अभ्यारण में १५ वर्ष की शेरनी का शव मिला । जूनागढ़ सीसीएफ. द्वारा दोनों शेरनी की मौत की पुष्टि की जा रही है।

फिलहाल वन विभाग घटना स्थल पर पहुंचकर दोनों शेरनी का शव बरामद करके पोस्टमोर्टम के लिए भेजा गया है । हालांकि दोनों शेरनी की मौत को लेकर रहस्य गहराया है।

घायल हुए लोगों में से कई की हालत अभी गंभीर

अलग-अलग दुर्घटना में १२ की मौत : ४२ से ज्यादा घायल

अहमदाबाद । गुजरात में रविवार का दिन दुर्घटना की दृष्टि से रक्तरंजित बन गया । अलग-अलग दुर्घटनाओं में १२ से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और ४२ से भी ज्यादा लोग घायल हो गये है यह रिपोर्ट मिली है। भूज से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, भूज-नखत्राणा हाईवे पर हुए दुर्घटना में छह लोगों की मौत हुई है । जबकि अन्य दो लोग घायल हो गए । भूज के देसलपर फाटक के निकट ट्रक और रिक्शा के बीच टक्कर हुई थी । जिसमें तीन लोगों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई थी । जबकि घायल हुए पांच लोगों में से तीन लोगों की अस्पताल में मौत हुई थी । जिसकी वजह से मौत का आंकड़ा बढ़कर छह पर पहुंच गया । घायल हुए अन्य लोग फिलहाल भूज की जीके अस्पताल में उपचार के तहत होने की जानकारी मिली है। गुजरात के पाटण के पास आडेसर चेकपोस्ट के निकट पुलिस की गाड़ी को एक आइशर गाडी ने अपनी चपेट में लेने पर यह दुर्घटना हुई थी । इस दुर्घटना में चार लोगों की मौत हुई थी जबकि ३५से ज्यादा लोग घायल हो गये । रविवार को सुबह में पुलिस की गाड़ी पीछे से टक्कर मारने पर दुर्घटना हुई थी । यह दुर्घटना सुबह में दो बजे के करीब हुई थी। घायल लोगों में से गंभीर रूप से घायल हुए लोगों को मेहसाणा की अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके पहले घायलों को सांतलपुर-राधनपुर अस्पताल में ले जाया गया । प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्घटना का शिकार हुए लोग भचाऊ से भाभर तहसील के सुथारनेसरी गांव में बेसणा में उपस्थित होने के लिए जा रहे थे । कच्छ के भचाऊ के सभी लोग निवासी थे। घायल हुए लोगों में पुरूष और महिलाएं भी शामिल है । इसके अलावा अन्य एक दुर्घटना उना-भावनगर नेशनल हाईवे पर हुआ । जिसमें दो लोगों की मौत हुई थी और पांच लोग घायल हुए थे। उना से प्राप्त जानकारी के अनुसार उना-भावनगर नेशनल हाईवे पर जीजे-०५ जेसी ९५५६ नंबर की कार पलटने से कार में सवार दो व्यक्ति की घटना स्थल पर ही मौत हो गई थी। ज बकि पांच व्यक्ति को गंभीर चोटें आयी थी। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस पहुंच गई थी और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भर्ती कराया गया।

कहां-कहां दुर्घटनाएं हुई

अहमदाबाद,५ अगस्त।

- पाटण के पास आडीसर चेकपोस्ट के निकट पुलिस गाड़ी और आइशर टकराने से चार की मौत और ४५ घायल
- भूज-नखत्राणा हाईवे पर ट्रक और रिक्शा की टक्कर होने से छह की मौत और दो घायल
- उना-भावनगर नेशनल हाईवे पर दुर्घटना में दो की मौत

लॉ गार्डन खाने-पीने बाजार के व्यापारियों ने धरना-प्रदर्शन

अहमदाबाद। शहर के लॉ गार्डन क्षेत्र में स्थित वर्षों पुराने खाने-पीने बाजार पर फिलहाल में एएमसी ने बुलडोजर चलाने के बाद घर के गुजारे बिना के कई व्यापारियों-दुकानदारों और फूटपाथ वालों द्वारा रविवार को लॉ गार्डन क्षेत्र की इस गली में लिखे गए बैनरों, प्लेकार्ड के साथ विरोध प्रदर्शन और धरना आयोजित किया गया । खाने-पीने बाजार के कई दुकानदारों -व्यापारियों फेरिया वालों ने अपना खाने-पीने का बाजार पहले के जैसे हररोज के अनुसार चालू करने की मंजूरी देने के लिए एएमसी प्रशासन से अनुरोध किया गया । हाथ में विभिन्न संदेश के साथ बैनरों -प्लेकार्ड के द्वारा व्यापारियों -दुकानदारों ने एएमसी प्रशासन से अनुरोध किया है कि, खाने-पीने के इस बाजार के साथ ज ुड़े हुए पांच हजार से ज्यादा व्यक्तियों के गुजारे पर असर हुआ है। लॉ गार्डन खाने-पीने का बाजार है जो ट्राफिक को बाधा रूप नहीं था, फिर भी इस पर बुलडोजर चलाया गया है, जिसके कारण उनका गुजारा छीना गया है। अब उनका घर का गुजारा कैसे होगा इसके साथ ही उन्होंन लॉ गार्डन खाने-पीने का बाजार फिर से शुरू करने की मांग की थी। उल्लेखनीय है कि शहर के लॉ गार्डन के पास स्थित देश की दूसरे नंबर की सबसे स्वच्छ फूड स्ट्रीट माना जाता खाने-पीने बाजार पर हाल में म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन से बुलडोजर चला दिया है वर्षों से शहर के लोग यहां देर रात को खाने के लिए आते थे, और यहां कई फूड स्टोल्स स्थित थे । जिसके कारण यहां ट्राफिक सी काफी समस्या होती थी।

हार्दिक द्वारा अब आर्थिक आंदोलन को लेकर बयान

१५-१८% आर्थिक आंदोलन लोलीपोप नहीं होना चाहिए

अहमदाबाद । पास के कन्वीनर और पाटीदार युवा नेता हार्दिक पटेल का २५ अगस्त से अनिश्चितकालीन उपवास की तारीख निकट आ रही है इसके पहले रविवार को हार्दिक पटेल का आर्थिक आंदोलन मुद्दे पर बयान सामने आया है, इसे लेकर गुजरात की राजनीति में हलचल तेज हो गई है । हार्दिक पटेल ने अपने बयान में बताया है कि, यदि हमें आर्थिक स्तर पर भी आरक्षण दिया जाएगा तो मैं आंदोलन बंद कर दूंगा। १५ से १८ फीसदी आर्थिक आंदोलन लोलीपोप साबित नहीं होना चाहिए । आर्थिक दृष्टि से सभी समाज को आरक्षण विचार को समर्थन मिलना चाहिए। हार्दिक पटेल समाज के सभी वर्गों को आर्थिक आरक्षण का लाभ देने का विकल्प को भी मंजूरी देने की बात की। गुजरात में पाटीदार आरक्षण आंदोलन में फिर से तेजी लाने के लिए पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति ने काम शुरू कर दिया है। गत दिन पास कन्वीनरों की अहमदाबाद में बैठक हुई थी । जिसमें २५ अगस्त को उपवास आंदोलन के बारे में विचार-विमर्श किया गया था। इतना ही नहीं, इस बारे में रणनीति और ज रूरी कदम की रूपरेखा भी निश्चित की गई। पहले से ही पाटीदार नेता हार्दिक पटेल ने स्पष्ट कर दिया है कि, २५ अगस्त को उपवास होकर ही रहेगा। पुलिस मंजूरी नहीं देगी तो हाईकोर्ट में जायेंगे। हालांकि कोई अव्यवस्था नहीं हो इसका ध्यान रखा जाएगा और जहां झुकना होगा वहां झुकेंगे। उल्लेखनीय है कि आगामी २५ अगस्त से पास के कन्वीनर और पाटीदार युवा नेता हार्दिक पटेल द्वारा पाटीदार आरक्षण और राज्य में किसानों के कर्ज के मुद्दे को लेकर अनिश्चितकालीन उपवास पर जाने की पहले से ही घोषणा की गई है।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com